

व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि - हथकरघा (खादी)

द्वारा

गंधर्व- स्वयं सहायता समूह



SHG/CIG नाम	::	गंधर्व
वीएफडीएस नाम	::	जानी
श्रेणी	::	भभनगर
विभाजन	::	किन्नौर

इसके अंतर्गत तैयार:



हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए परियोजना
प्रबंधन एवं आजीविका (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठों
1.	परिचय	3-4
2.	SHG/CIG का विवरण	5
3.	लाभार्थियों का विवरण	6
4.	गाँव का भौगोलिक विवरण:	6-7
5.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
6.	उत्पादन योजना का विवरण	7-8
7.	पंक्ति सामग्री की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन	8-9-10
8.	विपणन/बिक्री का विवरण	10
9.	समूह सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
10.	ग्रहक	11
11.	केंद्र का लक्ष्य	11
12.	SWOT विश्लेषण	11
13.	संभावित चुनौतियों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय	12
14.	मशीनरी, उपकरण और अन्य उपकरण	12-15
15.	महीने में कुल उत्पादन और बिक्री राशि	15-17
16.	लाभ का बंटवारा	17
17.	समूह में निधि प्रवाह	17
18.	धन का स्रोत और खरीद	17-18
19.	प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण / कौशल उन्नयन	18
20.	ऋण चुकौती अनुसूची	18
21.	निगरानी विधि	18-19
22.	टिप्पणी	19
23.	समूह के सदस्यों की तस्वीरें	19-20-21
24.	ब्याज घर के नियमों की सूची	21-22-23

1 परिचय

हिमाचल प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है और पश्चिमी हिमालय में स्थित है। इसकी विशेषता इसकी चरम प्राकृतिक छटा है जिसमें कई चोटियाँ और विस्तृत नदी प्रणाली है। हिमाचल प्रदेश को "देवभूमि" के रूप में जाना जाता है और यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश वनस्पतियों और जीवों से समृद्ध है।

राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी जनसंख्या 75 लाख है। इसका क्षेत्रफल 55,673 वर्ग किलोमीटर है, जो शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (समुद्र तल से 300 - 6816 मीटरिक टन ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों तक फैला हुआ है। यह घाटियों में फैला हुआ है, जहाँ से कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जलविद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं।

हिमाचल प्रदेश में 12 जिले हैं और किन्नौर राज्य के बारह प्रशासनिक जिलों में से एक है। किन्नौर जिला तीन प्रशासनिक उप-मंडलों, कल्पा, निचार (भाबानगर) और पूह में विभाजित है और इसमें छह तहसीले हैं। जिले का मुख्यालय रिकांगपिओ में स्थित है। यह राज्य का दूसरा सबसे बड़ा जिला है। रालाहुल और स्पीति के बाद हिमाचल प्रदेश का सबसे कम आबादी वाला जिला किन्नौर है। 2011 की जनगणना के अनुसार, जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 6401 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या 84121 है।

किन्नौर जिला, जो कभी निषिद्ध क्षेत्र था, आज साहसी और साहसी साधकों के लिए एक अनमोल खजाना है। कल्पा से भगवान शिव का निवास किन्नर कैलाश पर्वत देखा जा सकता है। इसके अलावा, नाको गाँव भी एक प्राचीन स्थान है। निचले किन्नौर में हिंदू धर्म का व्यापक प्रभाव है और उनकी मान्यताओं में बौद्ध धर्म की झलक मिलती है, जबकि ऊपरी इलाकों में बौद्ध धर्म का बोलबाला है और दोनों धर्म एक साथ सद्भाव में रहते हैं। किन्नौर जिला अपने सूखे मेवों जैसे चिलगोजा, खुबानी और बादाम के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा, सेब की खेती ने भी गति पकड़ ली है और अब किन्नौर जिले के सेब राज्य के अन्य हिस्सों की तुलना में सबसे अधिक मूल्य प्राप्त कर रहे हैं।

किन्नौर जिले के स्थानीय निवासी पारंपरिक रूप से हाथ से बुने हुए कपड़े पहनते हैं जो स्मृति की पहुँच से परे हैं। जलवायु की दृष्टि से किन्नौर तीन क्षेत्रों में विभाजित है: आर्द्र क्षेत्र, शुष्क क्षेत्र और शुष्क क्षेत्र। जानी क्षेत्र आर्द्र क्षेत्र में आता है और स्थानीय लोग ऊनी कपड़े पहनते हैं जिन्हें 'फुल डिज़ाइन शॉल और साधारण शॉल, स्टॉल, बॉर्डर, फुल डिज़ाइन पट्टा, (फुल डिज़ाइन और साधारण डोहरू) और ऊनी पट्टी' कहा जाता है। 'महिलाओं और ऊनी कपड़ों के लिए 'पट्टी' पुरुषों के लिए। इसके अलावा पुरुष और महिलाएं ऊनी टोपी (किन्नौरी) पहनते हैं टोपीये वस्तुएं भेड़ों के ऊन से तैयार की जाती हैं, जिन्हें स्थानीय लोग प्राचीन काल से पालते आ रहे हैं।

किन्नौर के हथकरघा उद्योग में उत्कृष्ट शिल्प कौशल की एक लंबी परंपरा रही है, जो जीवंत भारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व और संरक्षण करती है। इस उद्योग का संचालन मुख्यतः घरेलू स्तर पर होता है, जहाँ परिवार के विभिन्न सदस्य मिलकर उत्पादन के लिए प्रयास करते हैं।

इस स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त धन कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें। विभिन्न आयु वर्ग की 12 महिलाओं के एक समूह ने JICA परियोजना के तहत एक स्वयं सहायता समूह का गठन किया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का निर्णय लिया जिससे उन्हें इस IGA को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद मिल सके।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

3.1 एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	गंधर्व
3.2 वीएफडीएस नाम	::	जानी
3.3 रेज	::	भभनगर
3.4 विभाजन	::	किन्नौर
3.5 गाँव	::	जानी
3.6 ब्लॉक	::	जानी
3.7 जिला	::	किन्नौर
3.8 स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	10- महिलाएं
3.9 गठन की तिथि	::	17/01/2022
3.10 बैंक खाता सं.	::	13210110033029
3.11 बैंक विवरण	::	यूको बैंक टपरी
3.12 एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100/- (बैठक प्रत्येक 8 दिन में आयोजित की जाएगी) ^{वां} महीने का दिन)
3.13 कुल बचत	::	
3.14 कुल अंतर-ऋण	::	
3.15 नकद क्रेडिट सीमा	::	--
3.16 पुनर्भुगतान स्थिति	::	--

3. लाभार्थियों का विवरण:

सीनियर नहीं	नाम (श्री/श्रीमती)	पिता/पति बैड नाम (श।)	आयु	श्रेणी य	जारी संख्या	नामित पर	आय स्रोत
1	श्रीमती नीलम कुमारी	श्री जितेंद्र सिंह	46	अनुसूचित जनजाति	8580550458	(प्रधान)	कृषि
2	श्रीमती वीणा	श्री कबीर	28	अनुसूचित जाति	7876290107	सेक्रेटरी	कृषि
3	श्रीमती संगीता	श्री संजय कुमार	37	अनुसूचित जनजाति	8894528792	सदस्य	कृषि
4	श्रीमती ममता	श्री विक्रम सिंह	25	अनुसूचित जाति	8629851897	सदस्य	कृषि
5	श्रीमती अनु	श्री जीत सिंह	25	अनुसूचित जनजाति	8219163370	सदस्य	कृषि
6	श्रीमती प्रार्थना	श्री सिकंदर	29	अनुसूचित जनजाति	8628842998	सदस्य	कृषि
7	श्रीमती चुन्नी देवी	श्री लेफ्टिनेंट श्याम सिंह	57	अनुसूचित जनजाति	8628837242	सदस्य	कृषि
8	श्रीमती मशेवरी देवी	श्री लक्समैन सिंह	55	अनुसूचित जनजाति	8894310852	सदस्य	कृषि
9	श्रीमती रीता देवी	श। राज कुमार	31	अनुसूचित जाति	9816034961	सदस्य	कृषि
10	हीरा भगति	श्री जित्तबर सिंह	52	अनुसूचित जनजाति	8626854429	सदस्य	कृषि

4. गांव का भौगोलिक विवरण:

4.1 जिला मुख्यालय से दूरी	::	40 किमी
4.2 मुख्य सड़क से दूरी	::	एनएच 5 से 6 किमी
4.3 स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	टपरी-7 किमी, भाबा नगर-25 किमी, रिकांग पियो-40 किमी
4.4 मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	टापरी-7 किमी, रिकांगपिओ-40 किमी और रामपुर-62 किमी
4.5 मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	रिकांगपिओ- 40 किमी और रामपुर-62 किमी
4.6 उम स्थानों/स्थानों का नाम जहाँ उत्पाद:: बेचा/विपणन किया जाएगा		टपरी-7 किमी, जियोरी, रिकांग पियो-40 किमी और रामपुर-62 किमी

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	पूर्ण डिजाइन शॉल और साधारण शॉल, स्टाल, बॉर्डर, पूर्ण डिजाइन पट्ट, (पूर्ण डिजाइन और साधारण डोहरू) और ऊनी पट्टी
2	उत्पाद पहचान की विधि	यह गतिविधि स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह का एक सदस्य पहले से ही यह गतिविधि कर रहा है। स्थानीय बाजार में इसकी भारी माँग है जिससे अतिरिक्त आय में वृद्धि होगी।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

6. उत्पादन योजना का विवरण:

समूह के सदस्यों को शॉल और साधारण शॉल, स्टाल, बॉर्डर, पूर्ण डिजाइन पट्ट, (पूर्ण डिजाइन और साधारण डोहरू) और ऊनी पट्टी आदि उत्पादों के निर्माण के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद समूह के सदस्यों द्वारा निम्नलिखित चरणों का पालन किया जाएगा: -

1. शॉल और स्टॉल के निर्माण के लिए ताना-बाना (ताना-बाना) ताना-बाना मशीनों द्वारा ढोया जाएगा। इससे समय और श्रम व्यय की बचत होगी।
2. वस्तुओं के निर्माण के लिए समूह के सदस्यों द्वारा श्रम का विभाजन किया जाएगा।
3. सदस्य कच्चा माल लाएंगे और वस्तुओं का वितरण बारी-बारी से करेंगे।
4. सदस्यों को प्रतिदिन कम से कम 4-5 घंटे काम करना होगा।

6.1 लिया गया समय	∴ शॉल/स्टॉल: कम से कम दो सदस्यों द्वारा 4-5 घंटे काम करने के बाद एक डिजाइन का शॉल 10 दिनों में तैयार हो जाएगा। सीमा: एक सदस्य द्वारा 4-5 घंटे काम करने के बाद एक दिन में हथकरघा में अलग-अलग डिजाइन के दो बॉर्डर बनाए जाएंगे। पट्ट: 3 सदस्यों द्वारा प्रतिदिन 4-5 घंटे काम करने के बाद 15 दिनों में विभिन्न डिजाइन के पट्ट तैयार किए जाएंगे। पैटी: सिलाई कोट के लिए पट्टी 3 सदस्यों द्वारा 4-5 घंटे/दिन काम करने के बाद 10 दिनों में तैयार हो जाएगी माफलार: माफलार का अलग डिजाइन होगा
------------------	--

			प्रतिदिन 4-5 घंटे काम करने के बाद 15 दिनों में 3 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाना धोरू: 3 सदस्यों द्वारा प्रतिदिन 4-5 घंटे काम करने के बाद 15 दिनों में विभिन्न डिजाइनों का धोरू तैयार हो जाएगा।
6.2	शामिल सदस्यों की संख्या	::	10.
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	भभनगर और रामपुर
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
6.5	उत्पादन चक्र (दिनों में) 4-5 घंटे/दिन कार्य के बाद 30 दिन प्रतिदिन।	::	30 शॉल 30 स्टॉल 50 सीमा 15 पट्टू 40 पट्टी 10 धोरू 10 माफूलार
6.6	प्रति चक्र आवश्यक श्रमिक (संख्या)	::	शॉल के लिए 02 सदस्य, 01 सदस्य स्टॉल बॉर्डर के लिए 01 सदस्य, पट्टू के लिए 02 सदस्य, पट्टी के लिए 01 सदस्य, डोहरू के लिए 02 सदस्य, मफलर के लिए 01 सदस्य कुल-10 सदस्य

7. कच्चे माल की आवश्यकता और अनुमानित उत्पादन:

1. शॉल

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (₹.)	मात्रा (₹.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	कच्चा माल (ताना और बाना) (ओसवाल)	किलोग्राम.	30	2000	60000	30 शॉल
2.	का व्यय मुड़ने मशीन के लिए 30 शॉल	नहीं।	90	25	2250	
	कुल				62,250	

2. स्टाल

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना और बाना	किलोग्राम.	30	2000	60000	30 स्टॉल
2.	कुल				60000	

3. बॉर्डर (ऊनी/कैशमिलन)

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	टाना वूलन	किलोग्राम.	0.36	1500	540	50 टुकड़े (16 इंच)
2.	बाना कैशमिलन	किलोग्राम.	0.36	430	155	
	कुल				695	

4. पट्ट (पूर्ण डिज़ाइन)

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	6	एल/एस		

2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	12		27000	15 पट्टू
3.	ओसवाल	नग	30			
	कुल				27000	

5. पट्टी

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	16	एल/एस	60000	40पट्टी
2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	40			
3.	मरीना वूल	किलोग्राम	40			
	कुल				60000	

6. धोड़ (पूर्ण डिज़ाइन)

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	8	एल/एस	30000	10 धोड़
2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	15			
3.	ओसवाल	नग	20			
4	मरीना	किलोग्राम	6			

	कुल				30000	
--	-----	--	--	--	-------	--

7. माफ़लार

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	4	एल/एस	20000	10 माफ़लार
2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	4			
3.	ओसवाल	नग	600			
	कुल				20000	

8. विपणन/बिक्री का विवरण:

7.1 संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	::	गांव स्वयं, टापरी-7 किमी, ज्योरी, रिकांगपिओ-40 किमी और रामपुर-62 किमी
7.2 माँग	::	साल भर।
7.3 बाज़ार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के लोगों से संपर्क करेंगे गाँव/बाज़ार
7.4 विपणन रणनीति	::	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे निकटवर्ती गाँवों/बाज़ार से ऑर्डर लेंगे।
7.5 उत्पाद का ब्रांड	::	गंधर्व हथकरघा परियोजना

9. समूह सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण:

- प्रबंधन के लिए नियम बनाये जायेंगे।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का वितरण करेंगे।
- आबंटन कार्य की दक्षता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का वितरण भी कार्य की गुणवत्ता, कौशल और कड़ी मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- मार्केटिंग में अनुभव रखने वाले 04 सदस्य बारी-बारी से मार्केटिंग करेंगे।

- प्रधान और सचिव एक ही समय में प्रबंधन का मूल्यांकन और निरीक्षण करते रहेंगे।

10. ग्राहक

हमारे केंद्र के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर निगुलसरी गांव के आसपास के स्थानीय लोग होंगे, लेकिन बाद में इस व्यवसाय को आस-पास के छोटे कस्बों तक पहुंचाकर बढ़ाया जा सकता है।

11. केंद्र का लक्ष्य

केंद्र का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से जानी और रामनी गांव के निवासियों और आसपास के गांवों के सभी अन्य निवासियों को अद्वितीय आधुनिक और उच्च श्रेणी की बुनाई सेवा प्रदान करना है।

यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने संचालन क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध बुनाई केंद्र बन जाएगा।

12. SWOT विश्लेषण

- ताकत

- कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है
- कच्चा माल आस-पास के बाजारों में आसानी से उपलब्ध है
- विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों के साथ सहयोग करेंगे
- उत्पाद का स्वयं-जीवन लंबा है

- कमजोरी

- तकनीकी जानकारी का अभाव

- अवसर

- अच्छे उत्पादों की बढ़ती मांग

- खतरे/जोखिम

- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण एवं कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर

13. संभावित चुनौतियों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय:

जोखिमों का विवरण	:: जोखिम न्यूनीकरण के उपाय
13.2 यह संभव है कि बाजार में मांग कम हो जाए, जिससे बिक्री और आय प्रभावित हो।	:: विपणन उद्देश्य के लिए अतिरिक्त बाजार की खोज की जानी चाहिए।
13.3 उत्पादन की गुणवत्ता में गिरावट के कारण बिक्री कम हो सकती है।	:: उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, एसएचजी सदस्यों को सख्त दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

14. मशीनरी, उपकरण और अन्य उपकरण

एक।	पूंजीगत लागत			
सीनियर नहीं।	का विवरण मशीनरी.	मात्रा	प्रति इकाई दर	कुल मात्रा
1.	खादी-42 इंच	15	12000	180,000
2.	आयरन प्रेस (2 किग्रा)	5	1000	5000
3.	कटाई वाले पहिए	10	2500	25,000
4.	पेग रैपिंग मशीन	15	3500	52500
5.	भंडारण बॉक्स (ट्रंक)	2	5000	10,000
6	पिट लूम	15	3000	45000
7	कैंची	15	100	1500
कुल पूंजीगत लागत				319000

बी।

आवर्ती लागत

1. शॉल

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	कच्चा माल (ताना और बाना) (ओसवाल)	किलोग्राम.	30	2000	60000	30 शॉल
2.	का व्यय मुड़ने मशीन के लिए 30 शॉल	नहीं।	90	25	2250	
	कुल				62,250	

2. स्टॉल

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना और बाना	किलोग्राम.	30	2000	60000	30 स्टॉल
2.	कुल				60000	

3. बॉर्डर (बूलेन/कैशमिलन)

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	टाना वूलन	किलोग्राम.	0.36	1500	540	50 टुकड़े (16 इंच)
2.	बानाकैशमिलन	किलोग्राम.	0.36	430	155	
	कुल				695	

4. पट्ट (तीन फूल तारा गुड्डी बेल)

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	6	एल/एस	27000	15 पट्ट
2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	12			
3.	ओसवाल	नग	30			
	कुल				27000	

5. पट्टी

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	16	एल/एस	60000	40 पट्टी
2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	40			
3.	मरीना वूल	किलोग्राम	40			
	कुल				60000	

6. ढोरू (पूर्ण डिज़ाइन)

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (रु.)	मात्रा (रु.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	8	एल/एस	30000	10 धोरू
2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	15			
3.	ओसवाल	नग	20			
4	मरीना	किलोग्राम	6			
	कुल				30000	

7. माफ़लार

सीनियर नहीं।	विवरण	इकाई	मात्रा	प्रति दर इकाई (₹.)	मात्रा (₹.)	अपेक्षित उत्पादन आयतन
1.	ताना (100% ऊन)	किलोग्राम.	4	एल/एस	20000	10 माफ़लार
2.	बाना (100% ऊन)	किलोग्राम.	4			
3.	ओसवाल	नग	600			
	कुल				20000	

क्रमांक	विवरण	कीमत	कुल (₹.)	मात्रा
1	कमरे का किराया और बिजली	3000	3000	
2	पैकिंग सामग्री और संग्रहण का डिब्बा	7000	7000	
3	माल ढुलाई शुल्क (कच्चा माल सामग्री और अंतिम उत्पाद)	3000	3000	
4	अन्य (स्थिर, परिवहन, मशीन मरम्मत)	1500	1500	
कुल आवर्ती लागत (बी)			259,945	
	आवर्ती व्यय = कुल आवर्ती-श्रम मजदूरी =259,945-157,500		102,445	
	कुल व्यय=A+B =319000+102,445		421,445	

8. महीने में कुल उत्पादन और बिक्री राशि

चूँकि यह स्वयं सहायता समूह के नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है, इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के कार्य घंटों के अनुपात में होगा। शुरुआत में उत्पादन को सीमित रखना हमेशा बेहतर होता है, जिसे समय और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है।

सी)	कुल बिक्री			
क्रमांक	विशिष्ट	मात्रा	दर (₹.)	राशि (₹.)
1	शाल	30	5000	1,50,000
2	छोटी दुकान	30	3000	90,000
3	सीमा	50	1000	50,000
4	पट्टू	15	10,000	1,50,000
5	पट्टी	40	2,500	1,00,000
6	धोरू	10	10,000	1,00,000
7	माफ़लार	10	10,000	1,00,000
	कुल (सी)			7,40,000

विवरण	कुल राशि (₹.)	परियोजना योगदान (75%)	एसएचजी योगदान (25%)
कुल पूंजीगत लागत	319,000	239,250	79,750
आवृत्ती लागत			
प्रति माह अन्य व्यय	102,445	- शून्य-	102,445
कुल	421,445	239,250	182,195

एक महीने में कुल बिक्री = 7,40,000

पहले महीने में कुल व्यय (319,000 + 102,445) = 421,445

हालाँकि, परियोजना सहायता के रूप में 2,39,250 रुपये की राशि दी गई है, इसलिए गणना के लिए इस राशि को व्यय कॉलम से आसानी से घटाया जा सकता है और शुद्ध आय को फिर से निर्धारित किया जा सकता है। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह के सदस्य सामूहिक रूप से काम करेंगे, इसलिए उनकी मजदूरी को इसमें शामिल नहीं किया गया है। महीने के अंत में शुद्ध आय को इस प्रकार निर्धारित किया गया है:

पूँजीगत लागत		
विवरण	मात्रा	एसएचजी योगदान
पूँजीगत लागत	319000	79,750
आवर्ती व्यय		
i) प्रति माह पूँजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास	3190	
ii) सामग्री लागत आदि पर अन्य व्यय।	102,445	
कुल	105,635	
कुल लागत	79,750+105,635=185,385	
1 में कुल बिक्री अनुसूचित जनजाति महीना	7,40000	
शुद्ध लाभ	554,615	

9. लाभ का बंटवारा

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने आपसी सहमति से यह निर्णय लिया है कि 1 अनुसूचित जनजाति प्रत्येक सदस्य को प्रति माह 28,571 रुपये आय के रूप में दिए जाएंगे तथा शेष 154,615 रुपये का लाभ भविष्य में किसी आकस्मिक आवश्यकता की पूर्ति के लिए उनके बैंक खाते में आपातकालीन आरक्षित निधि के रूप में रखा जाएगा।

10. समूह में निधि प्रवाह:

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (₹.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूँजीगत लागत	319000	239,250	79,750
2	कुल आवर्ती लागत	102,445	0	102,445
3	प्रशिक्षण	100000 (2 प्रशिक्षण के लिए)	1,00,000	0
	कुल परिव्यय	521,445	339,250	182,195

टिप्पणी-

- पूँजीगत लागत - कुल पूँजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा आवर्ती लागत - सम्पूर्ण लागत एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन की जाएगी। प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल
- उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन की जाने वाली कुल लागत

15. धन और खरीद के स्रोत:

परियोजना समर्थन;	-पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। -एसएचजी बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में जमा की जाएगी। -प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	मशीनों की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी। सभी कोडल का पालन करते हुए औपचारिकताएं.
एसएचजी योगदान	-पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। -आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

17. ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से लिया जाता है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, स्वयं सहायता समूह के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को पूर्ण रूप से किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

18. निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और यदि आवश्यक हो तो प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार हो।

19. टिप्पणियाँ

समूह सदस्यों की तस्वीरें-



श्रीमती हीरा भगति



श्रीमती ममता कुमारी



श्रीमती रीता देवी



नीलम कुमारी



अनु



प्रार्थना



सोनिका



महेश्वरी देवी



संगीता



वीना



चुन्नी देवी

हाउस ऑफ इंटरेस्ट के नियमों की सूची

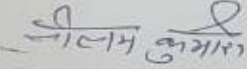
1. समूह कार्य: हथकरघा;
2. समूह का पता: गांव-जानी, डाकघर शोल्टू, तहसील- निचार जिला- किन्नौर हिमाचल प्रदेश।
3. समूह के कुल सदस्य: 10
4. प्रथम समूह बैठक की तिथि: 29.12.2021
5. समूह में प्रत्येक 100 रुपये पर 2 रुपये ब्याज मिलेगा।
6. समूह की मासिक बैठक 8 तारीख को होगी बाहर महीने की।
7. समूह के सभी सदस्य प्रतिमाह बचत की गई राशि समूह में जमा करेंगे।
8. स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित होना होगा।
9. स्वयं सहायता समूह का खाता यूको बैंक टपरी बैंक शाखा में खोला जाएगा। खाता संख्या 13210110033029 है।

10. समूह बैठक में उपस्थित होने के लिए प्रधानाचार्य एवं सचिव को उचित कार्य बताकर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो व्यक्ति बचत की राशि जमा नहीं करता है या 3 बैठकों तक समूह से अनुपस्थित रहता है तो उस व्यक्ति को समूह से हटा दिया जाएगा।
12. जो व्यक्ति बिना कारण बताए समूह में उपस्थित रहेगा तो अगली बैठक उसी व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को स्वयं देना होगा, यदि दो सदस्य हैं तो खर्च मिलकर देना होगा।
13. स्वयं सहायता समूह के प्रधान एवं सचिव का चुनाव सर्वसम्मति से किया जाएगा।
14. प्रधान एवं सचिव बैंक से लेन-देन कर सकेंगे, यह पद एक वर्ष के लिए वैध रहेगा।
15. मुखिया, सचिव या सदस्य समूह के विरुद्ध कोई कार्य नहीं करेंगे तथा सदैव समूह की राशि का ही उपयोग करेंगे।
16. यदि सदस्य किसी कारणवश समूह छोड़ना चाहता है, यदि इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापस करना होगा, तभी वह समूह छोड़ सकेगा अन्यथा नहीं।
17. बैठक में ऋण का उद्देश्य, राशि की वापसी का समय, ऋण की किस्त और ब्याज दर पर निर्णय लिया जाएगा।
18. आपातकालीन स्थिति में प्रधानाचार्य एवं सचिव के पास कम से कम 1000 रुपये होने चाहिए।
19. स्वयं सहायता समूहों का रजिस्टर सभी सदस्यों के सामने पढ़ा और लिखा जाना चाहिए।
20. बड़े कर्जदारों को एक सप्ताह पहले सूचना देनी होगी।
21. आवश्यकता पड़ने पर सभी सदस्यों को ऋण उपलब्ध होना चाहिए।
22. यदि सदस्य बिना किसी कारण के समूह छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा राशि समूह में विभाजित कर दी जाएगी।
23. समूह को हर माह अपनी मासिक रिपोर्ट तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (भाबानगर रेंज किन्नौर डिवीजन) के कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी।

समूह का सहमती पत्र

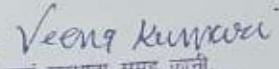
आज दिनांक गंधर्व स्वयं-सहायता समूह जानी में बैठक हुई यह बैठक प्रधान श्रीमाती ममता की अध्यक्षता में हुई। आज बैठक में यह चर्चा की सभी सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि जाईका वन विभाग की तरफ से जो धन राशि मिलेगी उसका उपयोग खाड़ी सिखने के लिए किया जाएगा। जिसके लिए सभी सदस्यों की सहमती प्रकट की है इस बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया।

प्रधान


गन्धर्व स्वयं सहायता समूह जानी,
तह० निचर, जिला किन्नौर (हि०प्र०)

समूह के प्रधान हस्ताक्षर

सचिव


गन्धर्व स्वयं सहायता समूह जानी,
तह० निचर, जिला किन्नौर (हि०प्र०)

समूह के सचिव के हस्ताक्षर

Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and Livelihoods

Memorandum of Understanding

Between

The Toni Village Forest Development Society/ BMC Sub Committee

And

The Forest Department (represented by DFO Kinnaur for Participatory Forest Management.

Whereas

The Toni Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee (hereinafter called "Society") has been constituted as per procedure described in the HP PFM Regulations notified by Govt. of HP vide No. FFE-C (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Pam III dated 19.11.2018, by the Villagers of Toni village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee in district Kinnaur and Forest Division Kinnaur Himachal Pradesh and has an elected Executive Committee (hereinafter called "EC"),

as part of the Japan International cooperation Agency (JICA) supported "Project For Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and livelihoods" (hereinafter called -Project") the Micro plan (Forest Ecosystems Management Plan & Community Development & Livelihood Improvement Plan) for Forest Management and Community Development (hereinafter called "Plan") for Forest protection, rehabilitation and management of the specified forest areas has been jointly prepared by the Society and the Forest Division

the Plan contains details of program for conservation, management and development of forest areas, Biodiversity conservation, Livelihood improvement works and also the description of equitable distribution of usufructs obtained from allocated forest areas and public resources of the ward/village;

the Plan has been approved by the Officer in Charge of the Forest Division (here- in after called "Forest Officer") on behalf of Government of Himachal Pradesh;

Now here with

The Kinnaur Forest Division and the Society have mutually agreed on this MoU, and consequently. This MoU is executed with the following articles;

1. **Purpose of the Memorandum of Understanding**

This Memorandum of Understanding (hereinafter called -MoU details the responsibilities of the Society regarding management and protection of forest areas) and village(s) resource development, in the manner specified in the Plan and for equitable distribution of benefits amongst its members. It further details payments and support to be provided by the project and the associated conditions.

2 Responsibilities of the Society

- 2.1 With regard to its Constitution, working, powers, duties and benefits, the Society agrees to act in accordance with the HP Government Notification No. FFE-B-F (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Part- III dated 19.11.2018, and other relevant Government orders and instructions.
- 2.2 The Society agrees to provide all necessary assistance to the Forest Officer in selection of forest area(s) to be allotted to it for forest management and development so that there is no dispute regarding areas of common use of nearby villages.
- 2.3. The Society agrees to prepare and submit general house approved, quarterly physical & financial plans with budget requirements to FTU concerned for releasing funds after Plan's approval from PMU.
- 2.4. The Society agrees to identify Community Development Activities (CDAs) in conformity with the CDA guidelines, decide on these through a consultative process and implement them according to the relevant standards as applicable.
- 2.5. The Society agrees to carry out works laid out in the Plan for the forest area (such as planting, fencing, maintenance and protection) and in doing so, follow the principles of management of forest and wildlife specified therein, also taking into account the guidelines of the Government, prevalent legal provisions and technical principles. The Society will ensure that no existing acts/rules of forest/wildlife management are being violated.
- 2.6. The Society agrees to contribute membership fee through its members/user groups. The amount with interest will be available to VFDS/BMC (Sub-Committee) after project closure and can be used by VFDS/BMC (Sub-Committee) consensus. The amount deposition to be done within six months.
- 2.7. The Society agrees, after completion of the related works, to protect the forest area from fire, illicit grazing, illicit felling, and illicit transport. Illicit mining, encroachments and poaching and shall help the forest department in this regard.
- 2.8. The Society agrees to pass the information regarding person(s) engaged in banning the wild animals and forests or those engaged in illegal activities on to the Forest Department. The Society agrees to help forest employees in apprehending such person(s) and provide all possible assistance in protecting any seized produce etc.
- 2.9 The Society agrees to rectify any shortcomings found during review of its works by the Forest Officer/monitoring agency.
- 2.10 The Society agrees to keep accounts of income and expenditure of the funds from various sources and also to get regular annual audits done by the agency assigned by the Forest Officer.
- 2.11. The Society agrees to maintain the records specified by the project regularly and in prescribed formats.
- 2.12. The Society agrees that the distribution of products and services generated as a result of implementation of the Plan among its members/User Groups is done in an equitable manner. If the Forest Officer points out any mismanagement or irregularity in the equitable distribution of such products and services, then the

- ☛ Society agrees to implement the necessary corrections/improvements suggested by the Forest Officer.
- 2.13. Society agrees to ensure that there will be no miss utilization of funds provided by Forest Department for implementing project activities.
- 2.14. Society will open two accounts of VFDS/BMC (Sub-Committee), One for FEMP implementation (FE Account) and second one as revolving fund under Livelihood activities (CD&LI Account).
- 2.15 The funds and maintenance of account would be in accordance with Para-36 to 43 of the Bye-laws notified by Govt. on dated 19-11-2018 for VFDS under the Project.
- 3. Responsibilities of the Forest Department**
 - 3.1. The Forest Department will provide to the Society the related input materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in a timely manner.
 - 3.2. The Forest Department will provide the payments specified in the Plan to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan in a timely manner. The Society to prepare and submit general house approved, six monthly physical & financial plans with budget requirements to DMU through FTU concerned for release of funds. DMU to release the fund to the VFDS/BMC (Sub-Committee)
 - 3.3. Funds from other department's schemes as the Panchayat may be able to garner/converge, may also be used for activities that help meet the project's objectives.
 - 3.4. The Forest Department shall provide the necessary advice and guidance to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan.
 - 3.5 The Forest Department shall NOT be responsible for any loss in any of the works related to implementation of the Plan and no claim of any sort can be presented against Forest Department.
 - 3.6 Forest Department will take legal action against any mis appropriation of fund by VFDS/BMC (Sub-Committee).
- 4. Support by the Project**
 - 4.1. The Project will provide funds for Community Development & Livelihood activities (CDAs) identified by the Society and in conformity with the CD&LIP guidelines, which will be implemented by the Society.
 - 4.2. The Project will provide to the Society if required the related input/materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in the required qualities and quantities.
 - 4.3. The Project will provide to the Society the payments specified in the Plan for implementation of works carried out in the PFM area on the basis of the Plan.
 - 4.4. The Project will provide to the Society members training and other capacity building measures, as well as support for income generating activities as specified in the Plan.

4.5. The funds earmarked for Plantations, soil and water conservation, Biodiversity conservation etc., will be credited into the VFDS/BMC (Sub-Committee) bank account according to six-month plan requirement (prepared from Micro plan) of VFDS/BMC (Sub-Committee). In addition, VFDS/BMC (Sub-Committee) to open an account for Livelihoods activity.

4.6. Payment and receipt of project funds will be strictly by means of cheques online payment/RTGS etc. or bank transfers to the account of the Society. Society will further distribute fund similarly.

5. Rights and Benefit Sharing

5.1. The Rights of right holders as admitted in the Forest Settlement will remain unaffected due to constitution of the Society and will continue to be exercised as heretofore.

5.2. The Benefits which Society members and their user groups will be entitled to after closure of plots / patches in the forest for various project interventions are as follows:

i) to collect the yield such as fallen twigs, branches, lopping, grass, bamboos, fruits, flowers, seeds, leaf fodder and non-timber forests products free of cost through individual or collective arrangements as decided by the Society;

ii) to the sale proceeds of all intermediate harvest, subject to protection of forest and plantations for at least 3 years from the date of agreement;

iii) to organize and promote vocational activities related to forest produce and land; and other activities such as promotion of self-help groups which may provide direct benefits, including micro-lending to women. None of the activities so promoted shall affect the legal status of the forest land;

iv) recorded rights over the forest shall not be affected by these benefits;

v) after 5 years, the Society may expand the area, on the basis of a fresh agreement deed, by inclusion of adjoining or nearby areas;

vi) to utilize at least 40 percent of the sale proceeds on forest regeneration activities including soil and water conservation.

provided that for the purpose of usufruct, the usufruct sharing family shall be one unit.

5.3 The Society will be entitled to their share of payments from intermediate and final felling,

whenever they take place in this forest, as laid out in the PFM Regulations of HP, 2001,

6. Monitoring & Evaluation

6.1 Monitoring and Evaluation of project activities will be done at different levels, including by the EC, a participatory monitoring committee and an independent third party apart from Project authorities.

6.2. The EC of VFDS/BMC (Sub-Committee) or any of its members will monitor progress and quality of work during execution of various works. The Member Secretary will record the date, places and names of EC members who checked the work(s) and whether works were satisfactory and any instructions given.

- 6.3. A participatory monitoring committee made up of members of the Society, a member from the Panchayat as well as a representative from the Forest Department (e.g. Deputy RO) will on quarterly basis review objectives, inputs and work progress and report to the whole Society. Their reports will then be sent to the Forest Officer for further action.
- 6.4. Where Society groups have carried out or are responsible for activities like social fencing, fire prevention, plantations or maintenance of plantations, annual monitoring will be carried out by Project-approved monitors (Third Party) and the results of this monitoring linked to release of payments, a) for social fencing in lieu of barbed wire fencing, b) for fire prevention as specified in the Plan and c) for survival in forest plantations as given in the agreed to norms for that activity.
- 6.5. Settlement of Disputes: Settlement of disputes and conflict resolution will be governed as laid out under para 47, 48 and 49 of the Bye Laws notified by GoHP.

Memorandum of Understanding

We are aware that the benefits mentioned in this agreement shall be available to the Society only when it discharges its duties, responsibilities and works in a satisfactory manner and this is certified by the Forest Officer every year. However, if the Forest Officer fails to fulfill conditions mentioned in Para 3 and 4 of this agreement and this is a cause for the Committee not able to discharge its responsibilities and works, and then it will be kept in mind while evaluating the works of the Committee every year.

I ...Ravendra Singh..., President,Jani..... Joint VFDS/BMC

(Sub-committee), declare on behalf of the Society, that I am committee to follow all the conditions mentioned in this MOU and am signing this memo after reading/understanding all conditions mentioned herein, literally and in their original meaning.

(Name and Signature of the President)

On behalf of VFDS/BMC (Sub-committee)

प्रधान

श्याम वम बिकास समिती जानी,
तेह नगर, जिल्हा किन्नोर (हिमाचल)

Divisional Forest Officer
Kinnaur Forest Officer
On behalf of HPFD)

Witness: Village Forest Development Society /BMC (Sub-committee) and the Forest Department for Participatory Forest Management.

1. Sushil Kumar
2. सुनीता कुमारी
3. Veena Kumari
4. Sant Ram

1. ~~FTU Officer R.F.D.~~, (Position) undertake, on behalf of Kinnaur Division Forest Department to implement all duties responsibilities of the Forest Department mentioned in this memorandum.

Range Forest Officer
B/Nagar Range

(Name and Signature of the Divisional Forest Officer or other officer authorized by him) On behalf of Kinnaur Forest Department.

Kinnaur Forest Division
At R/Peo

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Wandhaw Self help group will undertake the Handloom Khadi
As livelihood generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh
Forest Ecosystems & management & livelihood (JICA Assisted). In this regard business plan
of amount (Rs.) 4.21, 445 has been submitted by this group on dated _____
_____ and this business plan has been approved by Wani VFDS Business
Plan with SHG resolutions being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thankyou

प्रधान [Signature] 2022
ग्राम वन विकास समिती जानी,
ने० निहार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)

Signature of VFDS Pradhan

सचिव [Signature]
ग्राम वन विकास समिती जानी,
ने० निहार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)
Signature of VFDS Secretary

[Signature]
Signature of Forest Guard

[Signature]
Block Forest Officer
Shakti Forest Block
Signature of Block forest officer

[Signature]
Signature of Range Forest officer
Range Forest Officer
Shaba Nagar Range
Distt. Kinnaur (H.P.)

Approved
DMU -cum-
Deputy conservator forests,
Kinnaur Division at R/Peo

Resolution-cum-group consensus form

It is decided in the General House meeting of the Self Help Group Grandhary held on at Tami that our self help group will undertake the Handloom Khadi as livelihood income generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted.)

प्रधान Neelam Kumari
गन्धर्व स्वयं सहायता समूह जानी,
तहो निवार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)

Signature of Group Pradhan

सचिव Veena Kumari
गन्धर्व स्वयं सहायता समूह जानी,
तहो निवार, जिला किन्नौर (हि०प्र०)

Signature of Group Secretary